SANKALP

Adopt A Pencil

NEEV

Adopt A Pencil Educational Trust

(AAP Se - AAP Tak)

Project Booklet

परिचय

शिक्षा प्रत्येक बच्चे का मूल अधिकार है, किंतु देश के अनेक बच्चे अभी भी आवश्यक शिक्षण साधनों से वंचित हैं।इसी समय, हमारा पर्यावरण वनों की कटाई, बढ़ते कचरे और अस्थिर विनिर्माण प्रक्रियाओं से प्रभावित हो रहा है।एडॉप्ट ए पेंसिल एजुकेशनल ट्रस्ट (स्थापना–2020) दिल्ली, हरियाणा, राजस्थान और उत्तर प्रदेश में पर्यावरण, शिक्षा और आजीविका आधारित सतत् शिक्षण को बढ़ावा देता है।हम लकड़ी की पेंसिलों के स्थान पर **पुनर्चक्रित कागज़ की पेंसिलें** उपयोग में लाते हैं—जिससे पेड़ों की कटाई कम होती है, कचरा घटता है, और कम आय वाले परिवारों को आजीविका का अवसर मिलता है। हम विद्यालयों एवं समुदायों से कागज़ एकत्र कर उसे पुनर्चक्रित करते हैं और बनी पेंसिलें वंचित विद्यार्थियों को निःशुल्क प्रदान करते हैं।हम पर्यावरण शिक्षा कार्यक्रमों, कार्यशालाओं और वृक्षारोपण अभियानों का भी संचालन करते हैं।हमारी प्रत्येक पेंसिल—एक वृक्ष की सुरक्षा, एक बच्चे का सहयोग और एक परिवार की मजबूती का प्रतीक है।

दृष्टि, मिशन एवं उद्देश्य

दृष्टि: ऐसा देश जहाँ हर बच्चे को किफायती, पर्यावरण-अनुकूल और टिकाऊ शिक्षण सामग्री उपलब्ध हो।

मिशन: लकड़ी की पेंसिलों के स्थान पर पुनर्चक्रित कागज़ की पेंसिलों का उपयोग बढ़ाकर स्वच्छ, हरित सीखने का वातावरण तैयार करना।

हमारी शुरुआत: स्कूलों में जागरूकता कार्यक्रमों के दौरान पुनर्चक्रित पेंसिलें वितरित कर अभियान शुरू किया गया।

अगला कदम: विद्यार्थियों को पूरे वर्ष नियमित रूप से निःशुल्क पुनर्चक्रित पेंसिलें उपलब्ध कराना।

दीर्घकालिक लक्ष्य: अपना पुनर्चक्रित पेंसिल उत्पादन केंद्र स्थापित करना ताकि अधिक छात्रों को कम लागत पर सहयोग मिल सके।

मुख्य उद्देश्य:

- शिक्षा को सुलभ बनाना
- पर्यावरणीय क्षति कम करना
- हरित रोजगार बढ़ाना
- बच्चों के लिए दीर्घकालिक समर्थित प्रणाली तैयार करना

SANKALP: सांस्कृतिक आधार और विकास की दिशा

Smart, Aware of Nature, Knowledgeable, Action-oriented, Leadership-ready, Purpose-driven.

SANKALP ऐसे बच्चे का प्रतिनिधित्व करता है जो— बौद्धिक रूप से सक्षम हो, प्रकृति के प्रति जागरूक हो, ज्ञान से समृद्ध हो, अपने ज्ञान को कर्म में परिवर्तित करने में सक्षम हो, नेतृत्व के लिए तैयार हो, और जीवन में स्पष्ट उद्देश्य के साथ आगे बढ़ता हो।

बच्चों के लिए, SANKALP का अर्थ है:

- लक्ष्य तय करना
- अपने प्रयासों की जिम्मेदारी लेना
- सही और गलत में फर्क समझना

माता-पिता के लिए, SANKALP का अर्थ है:

- बच्चे के विकास में सजग भागीदारी
- सकारात्मक और सहयोगी वातावरण बनाना
- आज सही सहयोग, ताकि कल के निर्णय मजबूत हों

SANKALP बच्चों के बेहतर भविष्य की नींव रखने का एक प्रयास है।हम शिक्षा को केवल पुस्तकों और अंकों तक सीमित नहीं मानते, बल्कि उसे **स्पष्ट सोच, आत्म-विश्वास, सही निर्णय लेने की क्षमता और जिम्मेदार व्यवहार** से जुड़ा हुआ देखते हैं।

हर माता-पिता चाहता है कि उसका बच्चा आगे बढ़े, खुद पर भरोसा करे और जीवन में सही फैसले ले सके।

लेकिन आज की तेज़ प्रतिस्पर्धा, लगातार तुलना और हर जगह "सफल होना" का दबाव कई बार समझदार बच्चों को भी दिशा को लेकर उलझा देता है।

यहीं से माता-पिता के मन में एक स्वाभाविक प्रश्न उठता है — **"क्या मेरा बच्चा सही रास्ते पर आगे बढ़ रहा है?"**

ॐ NEEV का दृष्टिकोण:

हमारा मानना है कि बच्चों का भविष्य केवल मेहनत से नहीं, **सही सोच और सही दिशा** से बनता है।

हमारी सनातन परंपरा में **श्री गणेश जी** को **बुद्धि, विवेक और शुभ आरंभ** का प्रतीक माना गया है — ऐसा आरंभ जो जल्दबाज़ी नहीं, बल्कि समझदारी के साथ आगे बढ़ना सिखाता है।

इसी भाव से प्रेरित होकर, NEEV से जुड़े परिवार **प्रत्येक बुधवार** को **"श्री गणपति अथर्वशीर्ष बुद्धि–सिद्धि संकल्प पाठ"** एवं **मासिक संकष्टी चतुर्थी** के अवसर पर **"श्री गणेश एवं माँ सरस्वती बाल विद्या संस्कार यज्ञ"**

के माध्यम से बच्चों के **लक्ष्य, प्रयास और दिशा** पर सजग रूप से ध्यान केंद्रित करते हैं।यह बच्चों को यह समझने में सहायता करता है कि सफलता केवल तेज़ी से आगे बढ़ने से नहीं, **सही निर्णयों के साथ आगे बढ़ने से** मिलती है।

अपने बच्चे की ओर से संकल्प लेकर, **अडॉप्ट - ए - पेन्सिल** के माध्यम से एक ज़रूरतमंद बच्चे की शिक्षा की नींव मज़बूत करें।हर बार **रिसाइकल्ड पेपर** **पेन्सिल के लिए 50 रु.** व **रिसाइकल्ड पेपर** **पेन के लिए 100 रु.** का संकल्प करने पर, **आपके बच्चे** का नाम **"संकल्प वीर"** पुरस्कार की **साप्ताहिक लकी ड्रॉ** सूची में जोड़ा जाता है, तथा **विजेता को ₹500 व ₹1000 नगद** एवं **"संकल्प वीर" प्रमाण पत्र** पुरस्कार स्वरूप प्रदान किया जाता है।

जब आप NEEV से जुड़ते हैं, तो आप केवल किसी और बच्चे की सहायता नहीं करते — आप अपने बच्चे के लिए भी एक बेहतर और सकारात्मक वातावरण बनाने में योगदान देते हैं।यह बच्चों को यह समझने में सहायता करता है कि सफलता केवल तेज़ी से आगे बढ़ने से नहीं, **सही निर्णयों के साथ आगे बढ़ने से** मिलती है, क्योंकि बच्चे सिर्फ कही गई बातों से नहीं, उस माहौल से सीखते हैं जो हम उनके चारों ओर बनाते हैं।

☙ यह पहल क्यों ज़रूरी है:

आज बच्चों की कई चुनौतियाँ क्षमता की कमी से नहीं, बल्कि

- ध्यान के बिखराव
- आत्म-विश्वास की कमी
- दिशा की अस्पष्टता
- और परिणामों के दबाव

से उत्पन्न होती हैं।

NEEV का प्रयास है कि शैक्षणिक शिक्षा के साथ-साथ बच्चों में **फोकस, स्पष्ट सोच और सही निर्णय लेने की क्षमता** भी विकसित हो।

✨ संक्षेप में:

NEEV बच्चों पर कोई रास्ता नहीं थोपता।

यह उन्हें सही रास्ता पहचानने, अवसर समझने और आत्म-विश्वास के साथ आगे बढ़ने की क्षमता देता है।

भागीदारी पूरी तरह **स्वैच्छिक** है।परिवार **ऑनलाइन या ऑफलाइन**, जैसा सुविधाजनक लगे, वैसे जुड़ सकते हैं।

पुनर्चक्रित पेंसिल क्यों महत्वपूर्ण हैं

भारत में प्रतिदिन करोड़ों लकड़ी की पेंसिलें उपयोग होती हैं—जो वनों की कटाई और कार्बन उत्सर्जन का कारण बनती हैं। दूसरी ओर कागज़ का कचरा लगातार लैंडफिल में बढ़ रहा है।

हमारा समाधान— कागज़ एकत्र → पुनर्चक्रण → पर्यावरण-अनुकूल पेन / पेंसिल निर्माण

पर्यावरणीय लाभ:

- वनों की कटाई में कमी
- कागज़ कचरे में कमी
- परिपत्र अर्थव्यवस्था को बढ़ावा
- कार्बन उत्सर्जन में कमी

सामाजिक लाभ:

- जरूरतमंद परिवारों को सम्मानजनक आजीविका
- वंचित बच्चों को निःशुल्क पेंसिल
- समुदाय में सतत् जीवन शैली को प्रोत्साहन

शैक्षणिक लाभ:

- सस्ती सीखने की सामग्री
- संरक्षण और पुनर्चक्रण की जागरूकता
- विद्यार्थियों में उत्तरदायित्व की भावना

4. हमारा कार्य

हम वर्षभर महत्वपूर्ण राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय दिवस विभिन्न स्कूलों में मनाते हैं। बच्चों के साथ थीम आधारित छोटे जागरूकता सत्र आयोजित किए जाते हैं—जैसे शिक्षा, पर्यावरण, स्वास्थ्य, करुणा और राष्ट्रीय चेतना। इन आयोजनों में हम विद्यार्थियों को **निःशुल्क पुनर्चक्रित पेंसिलें** प्रदान करते हैं और उन्हें पर्यावरण संरक्षण के प्रति प्रेरित करते हैं।

हमारा उद्देश्य:

विशेष दिनों को सीखने के अवसर में बदलकर बच्चों में ज्ञान, मूल्य और पर्यावरणीय जिम्मेदारी विकसित करना।

हमारा प्रभाव: • कई स्कूलों तक पहुँच • विद्यार्थियों में दिवसों का वास्तविक महत्व समझ • सतत् आदतों का विकास • रचनात्मकता, आत्मविश्वास और सामाजिक जागरूकता में वृद्धि

आगामी परियोजना: री-सॉल्व कार्यक्रम (MPU वर्कशॉप)

री-सॉल्व, NEEV कार्यक्रम के अंतर्गत ट्रस्ट की प्रमुख माइक्रो प्रोडक्शन यूनिट पहल है। इसमें विद्यालयों से एकत्र कागज़ को छोटे, अर्ध-स्वचालित इकाइयों में **GRIP (Green Recycled Innovative Pencil)** ब्रांड पेंसिलों में बदला जाता है। इन इकाइयों का संचालन युवाओं, महिलाओं और गैर-शिक्षक कर्मियों द्वारा किया जाता है।

दृष्टि (2028–2032):

- 1,000 MPU वर्कशॉप
- 5,000 आजीविका अवसर
- 2 करोड़ पेंसिल मासिक वितरण

संक्षिप्त मॉडल:

कागज़ संग्रह → MPU में निर्माण → स्कूल को निःशुल्क पुनर्चक्रित पेंसिल वापसी (सतत् चक्र)

उत्पादन क्षमता:

प्रत्येक MPU ~20,000 पेंसिल/माह (2.5 लाख वार्षिक)

पर्यावरणीय प्रभाव:

- 25 करोड़ पेंसिल ≈ 4000 MT लकड़ी
- 1 लाख पेड़ प्रतिवर्ष संरक्षण
- CO_2 उत्सर्जन में महत्वपूर्ण कमी

ईको स्किल डेवलपमेंट:

- मशीन संचालन
- पैकेजिंग व लेबलिंग
- कचरा अलगाव
- उद्यमिता मूलभूत प्रशिक्षण
- वर्कशॉप प्रबंधन

☞ डिजिटल आउटरीच कार्यक्रम से जुड़ने का आमंत्रण

हम आपको एक सरल और उपयोगी सामाजिक अवसर से अवगत कराना चाहते हैं।यदि कोई व्यक्ति समाज के लिए योगदान देना चाहता है और साथ ही व्यक्तिगत विकास की दिशा में बढ़ना चाहता है, तो यह कार्यक्रम एक उपयुक्त मार्ग प्रदान करता है।

ट्रस्ट **डिजिटल आउटरीच स्वयंसेवक** की तलाश में है — ऐसे सहयोगी जो अपने नेटवर्क में छोटे संदेश साझा करके हमारे मिशन को अधिक लोगों तक पहुँचाने में सहायता कर सकें।

ये स्वयंसेवक उन बच्चों तक पुनर्चक्रित कागज़ की पेंसिलें और मूलभूत शिक्षण सहायता पहुँचाने वाले **NEEV कार्यक्रम** के विस्तार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

⋆ ट्रस्ट को डिजिटल आउटरीच स्वयंसेवक की आवश्यकता क्यों है?

NEEV कार्यक्रम को प्रभावी रूप से संचालित करने और अधिक बच्चों तक पहुँच बढ़ाने के लिए ट्रस्ट को ऐसे सहयोगियों की आवश्यकता है जो:

• नए लोगों तक पहुँच बना सकें
• जागरूकता फैलाने में सहायता करें
• आवश्यक सहयोग और समर्थन जुटाने में भूमिका निभाएँ

स्वयंसेवक इस मिशन की मजबूत कड़ी बनते हैं।वे संदेश को आगे ले जाते हैं, दूसरों को प्रेरित करते हैं और हमारे शैक्षिक सहयोग कार्यक्रमों को सुचारु रूप से आगे बढ़ाने में मदद करते हैं।

और सबसे महत्वपूर्ण बात:
• किसी अनुभव की आवश्यकता नहीं
• किसी यात्रा की आवश्यकता नहीं
• कोई वित्तीय व्यय नहीं
• सभी कार्य मोबाइल से कुछ ही मिनटों में संभव

इस कार्यक्रम में ईमानदारी, स्पष्ट संवाद और योगदान की भावना सबसे अधिक मायने रखती है।

⭑ स्वयंसेवक से क्या अपेक्षित है?

स्वयंसेवक अपनी सुविधा अनुसार किसी भी **1 या अधिक डिजिटल गतिविधि** को पूर्ण करते हैं।

✔ स्वीकृत डिजिटल गतिविधियाँ

1. **WhatsApp स्टेटस:** ट्रस्ट का पोस्ट 24 घंटे तक स्टेटस पर लगाना।
2. **फीडबैक एवं रेटिंग फॉर्म:** मिशन में विश्वास या अनुभव पर छोटा फीडबैक लिखना।
3. **Subscribe, Like & Share:** ट्रस्ट के YouTube / Facebook / Instagram पोस्ट को 3–5 लोगों तक पहुँचाना।
4. **Survey Form भरना:** कुछ सरल प्रश्नों के उत्तर देकर आउटरीच सुधार में सहयोग करना।
5. **Poll Form भरना:** त्वरित पोल प्रश्नों का उत्तर देना।
6. **ट्रस्ट ब्रोशर / PDF डाउनलोड करना:** ब्रोशर सुरक्षित कर मिशन को बेहतर समझना और साझा करना।
7. **शॉर्ट/रील वीडियो देखना:** 30–60 सेकंड की जागरूकता वीडियो देखना।
8. **वेबसाइट एक्टिविटी अपडेट देखना:** वेबसाइट पर जाकर हाल की गतिविधियाँ देखना।
9. **एक मित्र को ट्रस्ट पेज फॉलो करने हेतु आमंत्रित करना।**
10. **ट्रस्ट के WhatsApp चैनल/ग्रुप से जुड़ना।**

ये सब कार्य छोटे दिख सकते हैं, लेकिन प्रत्येक गतिविधि संदेश को नए लोगों तक पहुँचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। हर प्रयास किसी बच्चे तक नए अवसर के द्वार खोल सकता है।

🌟 आउटरीच सम्मान कार्यक्रम (स्वयंसेवक के लिए)

स्वयंसेवक की निरंतरता और सहभागिता की सराहना हेतु ट्रस्ट **आउटरीच सम्मान मॉडल** अपनाता है।यह मॉडल सुनिश्चित करता है:

- सार्थक सहभागिता
- व्यवस्थित गतिविधि संरचना
- पारदर्शी एवं अनुपालन-अनुकूल दस्तावेज़ीकरण

📌 मॉडल की मुख्य अवधारणा

स्वयंसेवक अपनी चुनी गई श्रेणी के अनुसार प्रति माह **1 या अधिक निर्धारित डिजिटल गतिविधियाँ** पूर्ण करते हैं।जब सभी गतिविधियाँ पूर्ण हो जाती हैं और आवश्यक प्रमाण (जैसे स्क्रीनशॉट, फॉर्म सबमिशन आदि) प्रस्तुत कर दिए जाते हैं, तब स्वयंसेवक एक **आउटरीच सम्मान** हेतु पात्र बनते हैं।इससे स्पष्ट और मापनीय संबंध स्थापित होता है:

गतिविधि → आउटरीच → सत्यापित प्रमाण → आउटरीच सम्मान समर्थन

आउटरीच सम्मान मॉडल

1. पुनर्चक्रित पेंसिल सहयोग के लिए SANKALP
2. कार्य पूर्ण करें
3. स्क्रीनशॉट/प्रमाण अपलोड करें
4. ट्रस्ट द्वारा सत्यापन
5. आउटरीच सम्मान समर्थन
6. अगला चक्र जारी रख सकते हैं
7. अधूरे/छोड़े गए कार्यों पर आउटरीच सम्मान समर्थन नहीं
8. कार्य **प्रत्येक माह** (किसी भी तिथि) जमा किए जा सकते हैं

स्वयंसवक बनने के लाभ

- बच्चों की शिक्षा में सहयोग
- पर्यावरण संरक्षण
- लचीली और घर-आधारित भागीदारी
- NEEV कार्यक्रम का विस्तार
- राष्ट्रीय हरित आंदोलन का हिस्सा बनना

डिस्क्लेमर (सुरक्षा एवं अनुपालन हेतु):**"वॉलंटियर"** शब्द का अर्थ केवल आउटरीच सहयोगी से है और इससे किसी भी प्रकार का विधिक, वित्तीय या रोजगार संबंध अभिप्रेत नहीं है।Adopt A Pencil Educational Trust का डिजिटल आउटरीच वॉलंटियर कार्यक्रम एक स्वैच्छिक सामाजिक पहल है, न कि कोई नौकरी या आय कार्यक्रम।किसी भी रूप में दिया गया आउटरीच सम्मान समर्थन, यदि लागू हो, केवल सत्यापित आउटरीच गतिविधियों के लिए **प्रशंसा स्वरूप सहयोग** है और इससे कोई अधिकार, गारंटी, दावा या संविदात्मक दायित्व उत्पन्न नहीं होता।सहभागिता के लिए अनुमोदित कार्यों की पूर्ति तथा वैध प्रमाण प्रस्तुत करना अनिवार्य है।ट्रस्ट को इस संरचना में आवश्यकतानुसार संशोधन या समापन का पूर्ण अधिकार सुरक्षित है।

Introduction

Education is a child's fundamental right, yet millions across India still lack the basic tools required for learning. At the same time, our environment continues to suffer from deforestation, increasing waste, and unsustainable manufacturing practices.

Adopt A Pencil Educational Trust (est. 2020) works across Delhi, Haryana, Rajasthan, and Uttar Pradesh to promote sustainable learning through **environment, education, and livelihood** initiatives.

We replace wooden pencils with **recycled-paper pencils**, reducing tree cutting, cutting landfill waste, and creating income for low-income families. We collect waste paper, recycle it into eco-friendly pencils, and **give them free to underprivileged students**.

We also run environmental education programs, workshops, and plantation drives.

At Adopt A Pencil, **every pencil saves a tree, supports a child, and strengthens a family.**

Our Vision, Mission & Purpose

Vision:

To create a nation where every child has access to essential learning tools that are affordable, eco-friendly, and sustainable.

Mission:

To replace wooden pencils with recycled-paper pencils and create a cleaner, greener learning environment.

- **How We Started**

We began by purchasing recycled pencils and distributing them during school events to raise awareness.

- **Our Next Step**

To provide recycled pencils to children regularly throughout the year—free of cost.

- **Long-Term Mission**

To set up our own recycled-paper pencil production unit to support more students at lower cost.

Core Purpose:

- Make education more accessible
- Protect trees and reduce environmental damage
- Create green employment opportunities
- Build a long-term donor-supported ecosystem that sustains children's learning

SANKALP: Cultural Perspective & Developmental Approach

SANKALP represents a child who is:

Smart, Aware of Nature, Knowledgeable, Action-oriented, Leadership-ready, Purpose-driven.

For Children, SANKALP Means:

- setting meaningful goals
- taking responsibility for their efforts
- developing the ability to distinguish right from wrong

For Parents, SANKALP Means:

- mindful involvement in a child's growth
- creating a positive and supportive environment
- offering the right support today so that tomorrow's decisions are stronger

SANKALP is an initiative committed to laying a strong foundation for the future of children. We view education as more than textbooks and examination scores; it also includes clear thinking, self-confidence, sound decision-making, and responsible behavior.

Every parent wishes for their child to progress with confidence and make the right choices in life. Yet, in today's world of intense competition, constant comparison, and pressure to succeed, even capable children can feel uncertain about their direction.

This naturally gives rise to a quiet but important question in a parent's mind: **"Is my child moving in the right direction?"**

ॐ The NEEV Perspective

We believe that a child's future is shaped not only by hard work, but by clarity of thought and the right sense of direction. In Indian tradition, **Shri Ganesh Ji** is regarded as a symbol of wisdom, discernment, and auspicious beginnings — reminding us that progress guided by understanding is more meaningful than haste. Inspired by this spirit, families associated with **NEEV** consciously focus on their children's goals, efforts, and direction through the **"Shri Ganpati Atharvashirsha Buddhi–Siddhi Sankalp Path"** every **Wednesday**,

and through the **"Shri Ganesh Evam Maa Saraswati Bal Vidya Sanskar Yagya"** on the monthly **Sankashti Chaturthi**. This helps children understand that success does not come merely from moving fast, but from moving forward with the right decisions.

By taking a *Sankalp* (pledge) on behalf of your child, you can strengthen the foundation of education for a child in need through **Adopt-A-Pencil**. For every pledge of **₹50 for a recycled paper pencil** and **₹100 for a recycled paper pen**, your child's name is added to the weekly lucky draw list for the **"Sankalp Veer" Award**. Winners receive **₹500 or ₹1000 in cash**, along with a **"Sankalp Veer" Certificate** as a token of recognition.

What This Means for You?

When you connect with **NEEV**, you are not just helping another child—you are also contributing to a better and more positive environment for your own child. It reinforces the understanding that success is not achieved simply by moving faster, but by moving forward with wise choices, because children learn not only from what they are told, but from the environment we create around them.

Why This Initiative Matters?

Many challenges children face today do not arise from a lack of ability, but from:

- Scattered focus
- Reduced self-confidence
- Unclear direction
- Pressure related to outcomes

NEEV works alongside academic education to help children develop focus, clarity, and sound decision-making abilities, which are essential for long-term growth.

✧ In Summary

NEEV does not impose a path on children. It empowers them to recognize the right path, understand opportunities, and move forward with confidence and responsibility. Participation is entirely voluntary, and families may join online or offline, as convenient.

Why Recycled Paper Pencils Matter

Across India, millions of wooden pencils are used every day. Each wooden pencil represents trees cut, carbon emitted, and forests lost. Paper waste, on the other hand, continues to pile up in landfills, adding to pollution.

Our solution is simple and highly impactful:

We collect waste paper → recycle it → and turn it into strong, smooth, eco-friendly pen / pencils.

This one small switch creates multiple layers of change:

Environmental Benefits

- Reduces deforestation
- Minimizes landfill waste
- Encourages circular economy practices
- Lowers carbon footprint

Social Benefits

- Provides dignified livelihood opportunities to low-income families
- Distributes free pencils to children who cannot afford them
- Encourages communities to adopt sustainable habits

Educational Benefits

- Makes learning tools affordable
- Sparks awareness about conservation and recycling
- Builds a sense of responsibility among students

Every recycled pencil becomes a symbol of hope, awareness, and collective responsibility.

Our Work: How We Do?

We celebrate important national and international days throughout the year by visiting different schools and engaging with children. On each occasion, we conduct short awareness programs based on the theme of the day—such as education, environment, health, kindness, or national pride. These sessions include simple activities, interactive discussions, and messages that help children understand the meaning of the day in an easy and inspiring way.

During every school visit, we also distribute free recycled-paper pencils to all students. These eco-friendly pencils support children in their studies while also teaching them the importance of recycling and caring for the environment. Through these celebrations, we aim to make learning joyful, build awareness, and create positive habits in young minds. Each event becomes a small step toward shaping thoughtful, responsible, and confident children.

Our Aim:

To inspire young children with knowledge, values, and environmental responsibility by turning special days into meaningful learning experiences. We believe that early awareness can shape a child's character and contribute to building a conscious, caring, and educated society.

Our Impact:

We reach students across multiple schools through engaging awareness programs.

Children learn the real importance of national and international observance days.

Free recycled-paper pencils support education and promote sustainable habits.

Our activities encourage creativity, confidence, and social responsibility.

Each celebration helps build a long-term culture of learning, kindness, and environmental care.

Every event, message, and pencil we share contributes to the development of a brighter and more aware generation.

UPCOMING PROJECT

Re-Solve Program (M.P.U Workshop):

Executive Summary –

Re-Solve is the flagship Micro Production Unit (M.P.U) initiative under NEEV Program run by Adopt A Pencil Educational Trust. The program converts school-collected waste paper into eco-friendly GRIP (Green Recycled Innovative Pencil) brand pencils using small, semi-automated workshops operated by youth, women, and non-teaching staff.

The long-term vision (2028–2032) is to establish 1,000 workshops, create 5,000 jobs, and distribute 2 crore eco-friendly pencils every month to school children.

Project Overview –

Re-Solve Workshops operate under N.E.E.V (National Environment & Employment Vision). Waste paper collected from schools, colleges, offices, CSR volunteers, and public donors becomes raw material for manufacturing GRIP recycled pencils. Schools providing waste paper and workshop space receive free pencils back—a closed-loop sustainability cycle.

Operational Framework – Micro Production Unit (MPU)

Each MPU runs inside a volunteer school or a small rented room under Trust supervision. Units are semi-automated and produce 20,000 pencils monthly (2.5 lakh annually). The Trust manages training, quality control, branding, and product distribution.

Paper-to-Pencil Conversion Impact-

- 1 wooden pencil uses ~5.5g wood.
- 25 crore pencils replace ~4,000 tonnes of wood → saving 1 lakh trees every year.
- This circular model reduces deforestation and builds large-scale environmental savings.

Carbon Credit Framework-

Tree savings generate measurable CO_2 offset that can be converted into verified carbon credits.

Environmental Value Chain:

• 1 recycled pencil = 5.5 g wood saved

• 25 crore pencils = 4,000 MT wood = 1,00,000+ trees

• CO_2 Offset ≈ 5000 MT annually

Eco Skill Development & Certification-

Re-Solve eco skill training includes:

- Machine operation & safety
- Packaging & labeling
- Waste segregation & recycling
- Entrepreneurship basics
- Workshop management & accounting

❖ **Duration**: 12 days

❖ **Annual Trainees**: 1000 → 5,000 by year 6

❖ **Outcome**: Certified eco-entrepreneurs with option to run their own Re-Solve unit.

National & Global Recognition-

The Re-Solve model aligns with UN SDGs 4, 8, 12, 13, and 15. It represents a national movement toward sustainability, youth employment, and climate-conscious education.

By 2032:

• Every child uses eco-friendly pencils

• Every youth earns with dignity

• Every tree saved symbolizes national responsibility

Impact Summary

Each recycled pencil saves trees, reduces pollution, supports livelihoods, and makes learning accessible.

♈ Invitation to Join the Digital Outreach Program

We would like to share a simple and rewarding opportunity with you.

If someone wishes to contribute to society *and* grow personally at the same time, this program is an ideal pathway. We are seeking **Digital Outreach Volunteers**—individuals who can help spread the mission by sharing small messages within their networks. These volunteers play a crucial role in connecting more people to our cause and helping us expand the reach of NEEV Program, through which children receive recycled-paper pencils and basic learning support.

⭐ Why the Trust Needs Digital Outreach Volunteers?

To run the NEEV Program effectively and support more children every month, the Trust needs a strong community of people who can:

- Reach out to new audiences
- Spread awareness
- Help mobilize resources and support

Volunteers become the **backbone** of this mission. They help carry forward the message, inspire others to contribute, and ensure that our educational support activities continue smoothly.

And the best part?

- No previous experience required
- No travel required
- No financial expense required
- Everything can be done from a mobile phone in a few minutes

What matters most is honesty, clear communication, and the desire to grow while contributing to a meaningful cause.

⭐ What A Volunteer Is Expected To Do?

A Volunteer simply helps introduce our mission to more people by completing any **1 or more digital tasks** per month as per their convenience.

✔ **1. WhatsApp Status:** Put the Trust's post on their WhatsApp status for 24 hours to increase visibility and awareness.

✔ **2. Feedback & Rating Form:** Write short feedback about why they believe in the mission or their experience so far.

✔ **3. Subscribe, Like & Share:** Share the Trust's YouTube, Facebook, & Instagram post with 3–5 contacts.

✔ **4. Fill Survey Form:** Just answer a few quick questions to help us improve our outreach and programs.

✔ **5. Fill Poll Form:** Just answer a few quick questions to help us improve our outreach and programs.

✔ **6. Download Trust Brochure/PDF:** Save our brochure on your phone so you can understand our mission and share it easily.

✔ **7. Watch any of Trust's Short / Reel video:** View a short awareness video to understand the cause and stay updated.

✔ **8. Check the latest Trust's website Event Activity update:** Open our website once to explore our work and ongoing initiatives to stay informed.

✔ **9. Invite 1 friend to like/follow the trust page:** Ask one friend to follow us—every new supporter strengthens our mission.

✔ **10. Join our WhatsApp Channel / Group:** Join our official WhatsApp channel to receive updates and stay connected.

These activities may look small, but they help the message reach new people every day.

Every action contributes to opening doors of opportunity for a child who needs support.

💥 The Outreach Honorarium Program (For Volunteers)

To appreciate the consistency and involvement of Volunteers, the we follow a **Outreach Honorarium Model**. This system ensures:

- Meaningful engagement
- Structured activity
- Transparent and compliance-friendly documentation

📌 Concept Overview

A Volunteer completes a defined number of activities per month **(1–3)**, depending on their selected outreach category. After completing all tasks and submitting the required proofs, the Volunteer becomes eligible for a **One-Shot Consolidated Outreach Honorarium**, as promotional support.

This creates a clean, measurable link between:

Activity → Outreach → Verified Proof → Outreach Honorarium Support

🔄 How the Outreach Honorarium Process Works

Anyone interested can simply fill out the form and apply for volunteer outreach program and complete the task as per convenience and then fill the TASK Form and submit proof of their first digital outreach activity. From that moment onward, their journey as a Digital Outreach Volunteer begins.

Key Steps:

1. SANKALP for Recycled Pencil Support
2. Complete the task
3. Upload screenshot / proof
4. Verification by the Trust
5. Outreach honorarium support
6. You may continue with the next cycle
7. No outreach honorarium support for incomplete or abandoned tasks
8. Tasks can be submitted every month (on any date)

⭐ Benefits of Becoming a Volunteer?

- Supporting children’s education
- Protecting the environment
- Flexible, work-from-home participation
- Helping expand the NEEV program
- Becoming part of a national green movement

Disclaimer (For Safety & Compliance): The term “Volunteer” refers only to an outreach supporter and does not imply any legal, financial, or employment relationship. The Digital Outreach Volunteer Program of Adopt A Pencil Educational Trust is a voluntary social initiative and not a job or income program. Any outreach honorarium or support, if applicable, is a token of appreciation for verified outreach activities only and does not create any right, guarantee, claim, or contractual obligation. Participation requires completion of approved tasks and submission of valid proof. The Trust reserves the full right to modify or discontinue this structure as required.

To Enroll:

☎ Email: **iadoptapencil@gmail.com**

WhatsApp (chat only): **08750942330**

Website: **www.adoptapencil.org**

Like, Subscribe & Share:

1) https://www.youtube.com/@adoptapencil

2) https://www.facebook.com/adoptapencil/

3) https://www.instagram.com/iadoptapencil/

Payment QR:

Adopt A Pencil Educational Trust

Registration QR:

Sankalp / Sanskar Regn.

UPI: merchant767939.augp@aubank

Payment Link: www.razorpay.me/@iadoptapencil

When you join, you're not just supporting a Trust, you're joining a national green movement that believes

"Small Acts, Multiplied By Many People, Can Change The World."

THANK YOU FOR SUPPORTING SUSTAINABLE EDUCATION

& SAVING ENVIRONMENT FOR NEXT GENERATION

Adopt A Pencil